केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 259 शुक्रवार 18 अप्रैल 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

नाबालिग को भगाने वाला आरोपी गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रुधौली थाने की पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने एक नाबालिग लड़की को बहला–फुसलाकर भगाने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी की पहचान संतकबीरनगर जिले के खेसरहा थाना क्षेत्र के कडजा निवासी रफीक (22) के रूप में हुई है। रुधौली पुलिस ने उसे तहसील रोड स्थित सरयू नहर के पास नगर पंचायत शौचालय से गिरफ्तार किया।

प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी के खिलाफ धारा 137(2), 87, 64 ठछै और पॉक्सो एक्ट की धारा 5स्ध्6 के तहत मामला दर्ज किया है। विधिक कार्यवाही के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

पीड़िता को सकुशल बरामद कर लिया गया है। उसे चाइल्ड वेलफेयर कमेटी के समक्ष पेश किया गया है। साथ ही डॉक्टरी परीक्षण और अन्य कानूनी प्रक्रियाएं की जा रही हैं।

गिरफ्तारी में एसआई जय प्रकाश मिश्रा, एसआई अनिल कुमार, हेड कांस्टेबल संतोष यादव, कांस्टेबल नंदेश्वर और महिला कांस्टेबल गुंजन यादव की टीम शामिल रही।

घायल की मौत के बाद तीन आरोपी गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पुरानी बस्ती पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में रितेश सोनकर, अविनाश उर्फ कल्लू और जवाहिर गुप्ता शामिल हैं। तीनों आरोपी नरहरिया, थाना पुरानी बस्ती के निवासी हैं।

मामला 5 अप्रैल 2025 का है। उमाशंकर प्रजापति की शिकायत पर यह केस दर्ज किया गया था। ग्राम नरहरिया में हुई मारपीट में जगरतन प्रजापति को गंभीर चोटें आई थीं। उन्हें बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर में भर्ती कराया गया। 15 अप्रैल को इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

पुलिस ने 17 अप्रैल को दोपहर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। गिरफ्तारी में थानाध्यक्ष महेश सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक महेन्द्र कुमार, हेड कांस्टेबल रामसुरेश यादव, कांस्टेबल विशाल मिश्रा और सचिन कुमार की टीम शामिल रही।

आधी, बारिश के संकेत

लखनऊ (आभा)। प्रदेश में एक बार फिर मौसम करवट लेगा। कई जिलों में आंधी रफ्तार देखने को मिलेगी। तीन दिनों तक बारिश की संभावना जताई गई है। पांच जिलों में ओलावृष्टि को लेकर भी अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार जौनपुर, प्रतापगढ़, अमेठी, आजमगढ़ सुल्तानपुर, आंबेडकरनगर, अयोध्या, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, गोंडा, बाराबंकी में 40 से 60 किलोमीटर की रफ्तार से आंधी चलने की संभावना है। पांच जिलों में ओलावृष्टि की भी संभावना जताई गई है।

वक्फ मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पारित किया अंतरिम आदेश, अगले आदेश तक बोर्ड में नहीं होगी कोई नियुक्ति

नई दिल्ली (आभा)। उच्चतम न्यायालय ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता के खिलाफ दायर याचिकाओं पर जवाब देने के लिए केंद्र सरकार को बृहस्पतिवार को सात दिन का समय दिया। न्यायालय ने साथ ही यह भी कहा कि इस बीच केंद्रीय वक्फ परिषद और बोर्डों में कोई नियुक्ति नहीं होनी चाहिए।

केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने उच्चतम न्यायालय से अनुरोध किया कि उन्हें कुछ दस्तावेजों के साथ प्रारंभिक जवाब देने के लिए एक सप्ताह का समय दिया जाए, जिसके बाद अदालत ने उन्हें वक्त दिया। न्यायालय ने कहा कि मामले में इतनी सारी याचिकाओं पर विचार करना असंभव, केवल पांच पर ही सुनवाई होगी।

याचिकाओं पर बृहस्पतिवार को सुनवाई के दूसरे दिन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने कहा कि यदि किसी वक्फ संपत्ति का पंजीकरण 1995 के अधिनियम के तहत हुआ है तो उन संपत्तियों को नहीं छेड़ा जा सकता। वहीं, केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय को आश्वासन दिया कि वह अगली सुनवाई तक 'वक्फ बाय डीड' और 'वक्फ बाय यूजर' को गैर–अधिसूचित नहीं करेगा।

सुनवाई के बाद उच्चतम न्यायालय ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई के लिए पांच मई की तारीख तय की। केंद्र ने हाल ही में वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को अधिसूचित किया था, जिसे दोनों सदनों में तीखी बहस के बाद संसद से पारित होने के पश्चात पांच अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिल गई।

राज्यसभा में विधेयक के पक्ष में 128 और विरोध में 95 सदस्यों ने मत दिया। वहीं, लोकसभा में इसके पक्ष में 288 तथा विरोध में 232 वोट पड़े। इस तरह यह दोनों सदनों से पारित हो गया था। एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी), जमीयत उलमा–ए–हिंद, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक), कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी और मोहम्मद जावेद की याचिकाओं सहित 72 याचिकाएं अधिनियम की वैधता को चुनौती देने के लिए दायर की गई हैं।

केंद्र ने आठ अप्रैल को उच्चतम न्यायालय में एक 'कैविएट' दायर कर मामले में कोई भी आदेश पारित करने से पहले सुनवाई की अपील की थी। किसी पक्ष द्वारा उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय में यह सुनिश्चित करने के लिए 'कैविएट' दायर की जाती है कि उसका पक्ष सुने बिना कोई आदेश पारित न किया जाए।

जस्टिस वर्मा के घर से कैश मिलने पर भड़के उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (आभा)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के आवास से बड़े पैमाने पर कैश की बरामदगी से जुड़े मामले में एफआईआर दर्ज न किए जाने पर गुरुवार को सवाल उठाया और भड़कते हुए कहा कि क्या कानून से परे एक श्रेणी को अभियोजन से छूट हासिल है।

धनखड़ ने कहा, 'अगर यह घटना उसके (आम आदमी के) घर पर हुई होती, तो इसकी (प्राथमिकी दर्ज किए जाने की) गति इलेक्ट्रॉनिक रॉकेट सरीखी होती, लेकिन उक्त मामले में तो यह बैलगाड़ी जैसी भी नहीं है।' धनखड़ ने कहा कि सात दिनों तक किसी को भी इसके बारे में पता नहीं चला। हमें खुद से सवाल पूछने होंगे। क्या देरी की वजह समझ में आती है? क्या यह माफी योग्य है?

डीएम ने किया गौशाला का औचक निरीक्षण: दिया निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने सल्टौआ गोपालपुर विकास खण्ड क्षेत्र के ग्राम पंचायत आमा तृतीय में स्थित गौशाला का औचक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने पशु आहार, साफ सफाई, पेयजल व्यवस्था, गर्मी में पशुओं की व्यवस्था आदि की विस्तार से जानकारी प्राप्त किया। निर्देश दिया कि गौशाला में पशुओं को कोई असुविधा न होने पाये। उन्होने पशुओं के चारा हेतु बरसीन बोने और सोलर पैनल आदि सुविधाओं की सराहना किया।

ग्राम प्रधान रामजनम, ग्राम विकास अधिकारी, गौशाला प्रभारी अनुरोध कुमार श्रीवास्तव ने डीएम को गौशाला के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त किया। निरीक्षण के दौरान रामसजन, डा. राजू, नुरूलहुदा, डा. विजय कुमार श्रीवास्तव, प्रमोद उपाध्याय, प्रदीप शुक्ल, इन्द्रजीत के साथ ही स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

राज्य पंचायत परिषद की प्रदेश, जिला कार्यकारिणी भंग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । उत्तर प्रदेश राज्य पंचायत परिषद की प्रदेश कार्यकारिणी को भंग कर दिया गया है। इसी के साथ सभी जिलों की इकाइयाँ भी तत्काल प्रभाव से भंग हो गई हैं । उक्त जानकारी देते हुए यू पी राज्य पंचायत परिषद के प्रदेश अध्यक्ष राना दिनेश प्रताप सिंह बताया कि शीघ्र नए सिरे से प्रदेश पदाधिकारियों एवं जिले की इकाइयों को गठित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पंचायत एवं नगर निकायों के ऊर्जावान जन प्रतिनिधियों को राज्य पंचायत परिषद से जोड़ा जाएगा। भारत सरकार एवं राज्य सरकार से पुरस्कृत पूर्व एवं वर्तमान पंचायत प्रतिनिधियों को प्राथमिकता दी जाएगी।

श्री राना ने कहा है कि राज्य पंचायत परिषद को मजबूत कर प्रदेश स्तर पर एक ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा जिसमें पंचायतो एवं नगर निकायों को अधिकार सम्पन्न तथा जवाबदेह बनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी सहित पंचायतीराज मंत्री व उच्चाधिकारियों से वार्ता की जाएगी। 73 वें और 74 वें संविधान संशोधन को लागू कराने के संदर्भ में भारत सरकार से भी संवाद स्थापित किया जाएगा। श्री राना ने कहा है कि विकसित भारत संकल्प को पूरा करने के लिए पंचायतों एवं नगर निकायों को मजबूत तथा समृद्ध करना आवश्यक है।

बीईओ अशोक कुमार के विरुद्ध शिक्षक लामबंद कार्यवाही की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–लगाये भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप: 19 बिन्दुओं पर भेजा साक्ष्य

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों ने गुरुवार को मुख्यमंत्री और महानिदेशक स्कूल शिक्षा को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से रुधौली और सल्टौआ के खंड शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार के विरुद्ध 19 बिंदुओं के शिकायती पत्र व साक्ष्य को प्रस्तुत कर विधिक व विभागीय कार्यवाही की मांग किया।

ज्ञापन देने के बाद जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह ने बताया कि खण्ड शिक्षा अधिकारी रुधौली व सल्टौआ का अतिरिक्त प्रभार देखने वाले खंड शिक्षा अधिकारी के ऊपर सरकारी भवन गिराने, बच्चों के कार्यक्रम में जलपान व बैठक व्यवस्था न करने, सरकारी कार्यक्रम में विभाग से टेंट, कुर्सी, साउंड हेतु आए धन का गबन कर कार्यक्रम को ब्लॉक सभागार में कराने, एमडीएम में भेजे गए बर्तन हेतु धन में हिस्सा मांगने, सर्विस बुक पूर्ण न करने, चयन वेतनमान समय से न लगाने, मासिक बैठकों में शिक्षकों के लिए आए जलपान के धनराशि का गबन करने सहित 19 बिंदुओं पर फोटो सहित साक्ष्य भेजा गया है।

जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा ने कहा कि पूर्व में सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) बस्ती मंडल तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को भी पत्र देकर कार्यवाही की मांग की गई थी। जिस पर सहायक शिक्षा निदेशक द्वारा सुनवाई व साक्ष्य प्रस्तुत करने का पत्र भी जारी किया था जिस पर शिक्षकों व संगठन पदाधिकारियो ने शपथ पत्र के साथ शिकायत की पुष्टि की थी। परंतु अभी तक उनके द्वारा कोई भी कार्यवाही नहीं की गयी। ब्लॉक अध्यक्ष रुधौली शिवरतन ने बताया कि बीईओ द्वारा हर कार्य के लिए धनराशि की मांग की जाती है। बच्चो के खेल कूद प्रतियोगिता में भी प्रति विद्यालय 400 रुपये वसूली की मांग व्हाट्सएप ग्रुप पर इनके द्वारा की गयी थी। सूचना वायरल होने पर जिलाधिकारी ने इनको तलब भी किया था। इनके द्वारा अपने मातहत कर्मचारियों से अमर्यादित शब्दों का प्रयोग भी बराबर किया जाता है जिसका ऑडियो अभी कुछ दिन पहले वायरल हुआ था। जिस पर उच्च अधिकारियों ने संज्ञान लेकर चेतावनी भी दी थी। मुख्यालय पर रात्रि निवास करने के शासन के आदेश के बावजूद जनपद अंबेडकरनगर से ड्यूटी करते हैं और शिक्षकों को किसी भी कार्य के लिए अनावश्यक उनके घर तक भी दौड़ना पड़ता है। ब्लॉक अध्यक्ष सल्टौआ दुर्गेश यादव ने बताया कि समय से सर्विस बुक में फीडिंग न होने के कारण अधिकांश शिक्षक चयन वेतनमान के लाभ से विगत 4 माह से वंचित हैं। शिक्षकों के प्रशिक्षण में भी भोजन की व्यवस्था खराब ही रहती है। बच्चों के 300 से अधिक आधार कार्ड बनवाने हेतु जन्म प्रमाणपत्र फॉर्म 4 माह से उनके कार्यालय पर पड़े हुए हैं अभी तक किसी भी बच्चे का आधार बनवाने के लिए जन्म प्रमाण पत्र बनाने हेतु उपजिलाधिकारी कार्यालय पर नही भेजवाया गया। इनके द्वारा विद्यालयों में शिक्षकों को अनुपस्थित कर और धनराशि लेकर उसी दिन शिक्षकों का चिकित्सीय अवकाश स्वीकृत कर दिया जाता है। उपरोक्त बिंदुओं पर कई बार उच्च अधिकारियों को शिकायत की गई परंतु विभाग इनके ऊपर पूर्ण रूप से मेहरबान है और दो–दो ब्लाकों का अतिरिक्त प्रभार 6 माह से इनको दिए हुए हैं।

ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष रवीश मिश्र, सुधीर तिवारी, शिवप्रकाश सिंह, प्रवीण श्रीवास्तव, राहुल सिंह, जिला संगठन मंत्री विवेक कांत, अविनाश दूबे, राम भवन यादव, विवेक प्रताप सिंह, प्रताप नारायण चौधरी, उमाशंकर पाण्डेय, राकेश पाण्डेय, प्रभाकर पटेल, अविनाश दुबे, गिरजेश सिंह ,मोहम्मद असलम, सोहनलाल, दीपचंद, नितिन कुमार, धर्मराज यादव, गोविंद, धर्मेंद्र कुमार, मनु प्रकाश, प्रसून श्रीवास्तव, रत्नेश्वर नारायण, राजीव सिंह, सुरेंद्र यादव,अनुराग श्रीवास्तव ,राजेश गिरी, रजनीश, मनीष मिश्रा, चंदन श्रीवास्तव, रेहाना परवीन, रीना कनौजिया, अनिल पाठक, संतोष पाण्डेय, हरेंद्र यादव, अखिलेश पाण्डेय, सनद पटेल, विजय यादव, अशोक यादव, सुरेश गौड़, आदि उपस्थित रहे।

छात्रों को घर लेकर जा रही स्कूली वैन गड्ढे में पलटी 11 बच्चे घायल, दो गंभीर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पैकोलिया थानाक्षेत्र के बभनान गौर मार्ग पर स्थित बीवीएस पब्लिक स्कूल बभनान से बच्चों को घर ले जा रही स्कूली वैन का पहिया निकलने से हादसा हो गया। वैन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। वैन के चारो पहिए ऊपर हो गए। वैन में सवार बच्चे चीखने–चिल्लाने लगे। चीखने–चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के लोग जुटे। वैन का शीशा तोड़कर बच्चों को निकाला गया। 108 एम्बुलेंस से घायलों को सीएचसी गौर पहुंचाया गया। यहां पर बच्चों का प्राथमिक उपचार हुआ। दो बच्चों की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। मौके पर पहुंची पैकोलिया पुलिस ने वैन को कब्जे में लिया और जांच पड़ताल शुरू कर दिया।

बच्चों के चीखने–चिल्लाने की आवाज सुनकर पास में चल रहे रामचरित मानस पाठ में शामिल लोग मौके पर पहुंचे। काफी प्रयास के बाद स्थानीय लोगों ने स्कूली वैन को सीधा किया। इसके बाद वैन के खिड़कियों में लगे शीशों को तोड़ कर एक–एक कर बच्चों को बाहर निकाला।

घटना की सूचना पर थानाध्यक्ष गौर गजेंद्र प्रताप सिंह व प्रभारी निरीक्षक पैकोलिया धर्मेंद्र कुमार यादव के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस कर्मियों ने घटना के पहलुओं की जांच की और बच्चों का कुशलक्षेम जाना। चिकित्सक डॉ. प्रवीन पटेल ने बच्चों का प्राथमिक उपचार किया। गौर थानाक्षेत्र के जयतापुर निवासी विनोद सिंह के पुत्र विधान सिंह कक्षा तीन व पुत्री अन्नया सिंह कक्षा एक के सिर में गंभीर चोट को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। डॉ. प्रवीन पटेल ने बताया कि अन्य बच्चों को हल्की चोटें आई हैं। बच्चे हादसे से घबरा गए हैं। दो बच्चों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

बीवीएस पब्लिक स्कूल बभनान में कक्षा छह में पढ़ने वाले वैन में सवार रितेश ने घटना से पहले चालक से कहा कि आज वैन ठीक नहीं चल रही है। वैन चलते समय हिल रही है। उसने कहा कि जैसे भूकंप आ रहा है। चालक ने रितेश की बातों को नजरंदाज कर दिया। रितेश की बात को गंभीरता से लेता तो घटना टल जाती।

स्कूली वैन के पलटते ही बच्चों के चीखने–चिल्लाने की आवाज सुनकर रामापुर व कोठवा गांव के लोग भारी संख्या में पहुंच गए। कोठवा निवासी दिनेश सिंह ने बताया कि बच्चे चीख रहे थे। अंकल मेरे भाई को तो कोई मेरी बहन को बचा लो। बच्चों की करुण पुकार सुनकर मन द्रवित हो गया। वैन में सवार कक्षा दस की एक छात्रा असरा अंजुम थी। इसके अलावा वैन में 11 बच्चे सवार थे, जो यूकेजी से कक्षा पांच तक के थे। असरा अंजुम सभी घबराए बच्चों को संभाल रही थी। वहीं कक्षा दो में पढ़ने वाला आरव सिंह काफी घबराया हुआ था। वह बदहवास होकर रो रहा था। सभी बच्चे डरे सहमे अपने परिजनों को बुलाने की गुहार लगा रहे थे। वैन में कक्षा तीन के विधान, कक्षा एक की अनन्या, छह के रितेश, 10 की असरा अंजुम, तीन की काव्या सिंह, आरुषी, यूकेजी की रितिका, पांच की आथा, दो के आरव, तीन के आरुष व यूजी की अराध्या सवार थी। प्रभारी निरीक्षक पैकोलिया, धर्मेंद्र कुमार यादव ने कहा कि स्कूली वैन को कब्जे में ले लिया गया है। घटना के विभिन्न पहलुओं की जांच पड़ताल की जा रही है। सभी बच्चे सुरक्षित हैं। बच्चों को दूसरी गाड़ी से उनके घर पहुंचा दिया गया है। दो बच्चों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

देह व्यापार का खुलासा: महिला समेत 6 गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कोतवाली थाना क्षेत्र में टोल प्लाजा के पास स्थित एक दो मंजिला मकान में चल रहे देह व्यापार का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने एक महिला समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना पर क्षेत्राधिकारी सत्येंद्र भूषण तिवारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। छापेमारी में कमरे के अंदर से 5 पुरुष और एक महिला को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा गया। पूछताछ में मकान मालिक शिवमूरत चौधरी (55) और उसका साझेदार अम्बुज पटेल (24) ने अपना जुर्म कबूल किया। दोनों ने बताया कि वे महिलाओं और ग्राहकों को बुलाकर अवैध धंधा करवाते थे।

अन्य गिरफ्तार आरोपियों में राजू यादव (22), रामकरन (48), हिमेश त्रिपाठी (20) और रेनू (42) शामिल हैं। मौके से 22 मोबाइल फोन, 40,280 रुपये नकद, एक डीवीआर, 3 क्यूआर कोड और 29 टोकन पर्चियां बरामद की गईं।

सहारा के सम्पत्तियों की जप्ती मोर्चा की बड़ी जीत निवेशकों का भुगतान कराये सरकार- अभयदेव शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

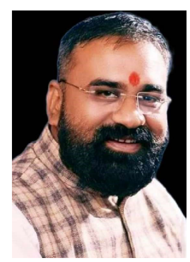

बस्ती । ऑल इण्डिया जन आन्दोलन संघर्ष न्याय मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभयदेव शुक्ल ने ईडी द्वारा सहारा इण्डिया के मुम्बई स्थित एम.बी. बैली में लगभग 1460 करोड रूपये की सम्पत्ति जप्त कर लिये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा है कि सरकार इस सम्पत्ति की नीलामी कर सहारा के निवेशकों को भुगतान सुनिश्चित करे।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से ऑल इण्डिया जन आन्दोलन संघर्ष न्याय मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभयदेव शुक्ल ने बताया कि मोर्चा द्वारा पिछले 5 वर्षो से निरन्तर सड़क से सुप्रीम कोर्ट तक संघर्ष किया जा रहा है। सहारा के लगभग 13 करोड़ निवेशकों का लगभग ढाई लाख करोड़ का भुगतान लम्बित है। भुगतान के लिये एक पोर्टल भी शुरू किया गया जिस पर निवेशकों ने इस उम्मीद के साथ अपना पूर्ण विवरण दिया कि उनका लबित भुगतान हो जायेगा किन्तु एक वर्ष से अधिक की अवधि बीत जाने के बावजूद अभी तक भुगतान की प्रभावी प्रक्रिया शुरू नहीं हो पायी। उन्होने केन्द्र सरकार से मांग किया कि सहारा के सम्पत्तियों की नीलामी कराकर निवेशकों का वर्षो से लम्बित भुगतान सुनिश्चित कराया जाय। मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभयदेव शुक्ल ने बताया कि ईडी की कार्रवाई से और स्पष्ट हो गया कि सहारा ने किस प्रकार से निवेशकों को धोखा दिया। अनेक परिवार सड़क पर आ गये। मांग किया कि तत्काल प्रभाव से निवेशकों की राशि का वितरण सुनिश्चित कराया जाय। कहा कि ईडी की कार्रवाई 5 वर्ष के मोर्चा के संघर्षों की बड़ी जीत है।

नि:शुल्क शिविर में 50 अधिवक्ताओं का नेत्र परीक्षण 25 को मिलेगा चश्मा, 10 का होगा आपरेशन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गुरूवार को शाम्बिका हास्पिटल और भारत आई हास्पिटल द्वारा संयुक्त रूप से सिविल कोर्ट में नि:शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। वरिष्ठ अधिवक्ता गिरीश प्रसाद शुक्ल की स्मृति में आयोजित शिविर में वरिष्ठ नेत्र सर्जन डा. अहमद अली ने 50 अधिवक्ताओं का परीक्षण कर उनका उपचार किया। शिविर में 25 अधिवक्ताओं में नि:शुल्क चश्मे का वितरण करने के साथ ही 10 का नि:शुल्क आपरेशन कराया जायेगा। सिविल बार एसोसिएशन अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह, महामंत्री मारूति कुमार शुक्ल ने इस पहल की सराहना किया।

यह जानकारी देते हुये नेत्र शिविर के आयोजक अपूर्व शुक्ल ने बताया कि शाम्बिका हास्पिटल द्वारा समय–समय पर नि:शुल्क चिकित्सा शिविर के साथ ही आई.बी.एफ. हेतु शिविर लगवाये जाते हैं। नेत्र शिविर के संयोजन में टेक्निशियन विनय कुमार, हौसला पासवान, शैलेन्द्र पाठक, हेमन्त पाण्डेय, राहुल श्रीवास्तव, राजेश चित्रगुप्त, राजन गुप्ता, आशीष श्रीवास्तव, सन्तोष कुमार श्रीवास्तव, प्रकाश मोहन आदि ने योगदान दिया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती
बस्ती 18 अप्रैल 2025 शुक्रवार

सम्पादकीय

अतीत में उलझा देश

भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जो अतीत से ग्रस्त है, जहां लोग सचमुच उन लोगों के कंकाल खोदना चाहते हैं जो अपने समय में खलनायक रहे होंगे। कोई भी अन्य देश, यहां तक कि वे देश भी नहीं जिनके विकास सूचकांक जैसे गरीबी और निरक्षरता हमसे बहुत कम हैं, सदियों पहले घटित किसी घटना पर गरमा–गरम बहस और यहां तक कि हिंसा का गवाह नहीं बनता।

दुनिया भर में लोगों ने अपने अतीत के साथ जीना सीख लिया है। ऐसा ही एक उदाहरण स्पेन में कॉर्डोबा की प्रसिद्ध मस्जिद कैथेड्रल है जो उस देश के शीर्ष पर्यटक आकर्षणों में से एक है। अन्य स्थानों पर भी सैंकड़ों पुराने स्मारक हैं, जिनमें से कई में विभिन्न धर्मों से संबंधित वास्तुकला के तत्व मौजूद हैं। विश्व आगे बढ़ चुका है और भविष्य, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रभाव, प्रौद्योगिकी में अत्याधुनिक प्रगति,मंगल मिशन, बुनियादी ढांचे के विकास और अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा शुरू किए गए व्यापार युद्ध के प्रभाव के बारे में बात कर रहा है।

यहां, भारत में, हिंदू–मुस्लिम कथा अखबारों की सुर्खियों पर हावी रहती है और टी.वी. एंकर इस सवाल पर चिल्लाते और चीखते हैं। इस प्रक्रिया में सांप्रदायिक हमलों या दंगों के बारे में रिपोर्ट में समुदायों का नाम न बताने की पुरानी नैतिकता को पूरी तरह से दरकिनार कर दिया गया है। किसी समुदाय का नाम लेना और उसे शघ्मदा करना अब सामान्य बात हो गई है। अब पश्चिम बंगाल से एक केंद्रीय मंत्री खुलेआम लोगों से मुर्शिदाबाद में दंगाइयों से निपटने के लिए तलवारें लेकर बाहर आने का आह्वान कर रहे हैं। एक एंकर द्वारा स्पष्टीकरण मांगे जाने पर उन्होंने अपना रुख दोहराया और कहा कि 'कोई विकल्प नहीं है' क्योंकि सुरक्षा बल स्थिति को नियंत्रित करने में विफल रहे हैं, जिसके कारण 3 लोगों की मौत हो गई और सैंकड़ों अन्य को आश्रय शिविरों में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।

मुर्शिदाबाद या देश के किसी अन्य हिस्से में हुई हिंसा और उपद्रव का कोई बचाव नहीं कर सकता लेकिन एक केंद्रीय मंत्री द्वारा लोगों से तलवारें निकालने और एक विशेष समुदाय के सदस्यों से मुकाबला करने को कहना भी अस्वीकार्य है। विभाजन के दोनों पक्षों के राजनीतिक नेताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे तनाव को कम करें तथा शांति की अपील करें, हिंसा भड़काने की नहीं।

ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार को विवादास्पद वक्फ अधिनियम के लागू होने के बाद भीड़ के हिंसक होने की संभावना का अनुमान लगाना चाहिए था। यह तो स्पष्ट था लेकिन राज्य की खुफिया एजैंसियां या तो अक्षम साबित हुईं या फिर हिंसा के दौरान जानबूझकर अनदेखी करती रहीं। समाचार पत्रों में एक विशेष समुदाय के सदस्यों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी या झूठी रिपोर्ट के माध्यम से 'घृणा अभियान' चलाए जाने की खबरें छपी हैं। राज्य सरकार को इंटरनैट निलंबित करने के लिए तत्परता से काम करना चाहिए था और विभिन्न समुदायों के नेताओं को एक साथ बैठकर मुद्दों को सुलझाने के लिए कहना चाहिए था। ममता बनर्जी ने स्थिति को नियंत्रित करने में विफलता के लिए सीमा सुरक्षा बल जैसी केंद्रीय सुरक्षा एजैंसियों को दोषी ठहराया है लेकिन उन्हें स्थानीय पुलिस के साथ–साथ राज्य की खुफिया एजैंसियों पर भी ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। केंद्रीय खुफिया एजैंसियों ने भी स्थिति को अशांत होने दिया, जिसके कारण दुर्भाग्यपूर्ण हिंसा हुई। यदि हिंसा को भड़कने से रोकने की वास्तविक इच्छा होती तो निवारक गिरफ्तारियां आवश्यक थीं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जो विशेष रूप से सांप्रदायिक कोण के मामले में अपनी सख्त रणनीति के लिए जाने जाते हैं, को एक समुदाय के बारे में यह कहने में कोई झिझक नहीं हुई कि 'लातों के भूत बातों से नहीं मानते'। एक मूर्ख व्यक्ति भी समझ सकता है कि मुख्यमंत्री किस ओर संकेत कर रहे थे। किसी विशेष समुदाय को चुनिन्दा निशाना बनाना कोई रहस्य नहीं है। हाल ही में उनकी पुलिस ने वक्फ अधिनियम का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों के एक समूह पर छापा मारा। वे न तो ङ्क्षहसा में लिप्त थे और न ही कोई विरोध मार्च निकाल रहे थे। उन्होंने केवल इस अधिनियम के विरोध में अपनी बाजुओं पर काली पट्टियां बांध ली थीं। राज्य पुलिस ने उनके खिलाफ एफ..आई.आर. दर्ज की और उन्हें एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया जिसने उनमें से प्रत्येक से 2 लाख रुपए की जमानत और बांड मांगे। किसी भी मीडिया संस्थान ने उनकी ओर से आवाज नहीं उठाई और न ही सरकार से उसकी कार्रवाई पर सवाल उठाया। यह सवाल उठता है कि क्या हम सचमुच लोकतंत्र में रह रहे हैं। ऐसा शायद ही कोई दिन हो जब हिंदू–मुस्लिम कहानी सुर्खियों में न आती हो। इस सप्ताह के आरंभ में प्रधानमंत्री ने भी कांग्रेस से सवाल किया था कि यदि उसे मुसलमानों की इतनी चिंता है तो उसने एक मुसलमान को पार्टी का अध्यक्ष क्यों नहीं बनाया। देश का लक्ष्य अपनी आजादी की शताब्दी मनाने तक विकसित भारत बनना है, इसलिए अब समय आ गया है कि हम अतीत को खंगालने की बजाय भविष्य और देश के नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के बारे में बात करें।

टैरिफ से मुकाबला और चीनी आर्थिक दीवार

—पुष्परंजन—

अमेरिका से 'फुल स्केल' टैरिफ युद्ध छिड़ने से पहले, क्या शी अपने गिर्द एक 'आर्थिक ग्रेट वाल ऑफ चाइना' का सृजन आरम्भ कर चुके हैं? लेकिन इस टैरिफ वॉर में गलत–सही सूचनाओं का भी युद्ध छिड़ा हुआ है। चीन, 2025 की पहली तिमाही में 5.4 फीसद जीडीपी की बढ़ोतरी का दावा ठोक रहा है।

टैरिफ वॉर के बावजूद चीन अपने जीडीपी में 5.4 फीसद की बढ़ोतरी, पहली तिमाही में कर लेता है, तो यह बड़ी बात है। 'नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स' ने बुधवार को तब डाटा जारी किया, जब राष्ट्रपति शी , तीन पूर्वी एशियाई देशों की यात्रा के अंतिम चरण में थे। शी सोमवार को वियतनाम और मंगल को मलेशिया पहुंचे। मंगलवार शाम को राजधानी कुआलालंपुर में शी का जोरदार स्वागत हुआ। यह 2013 के बाद से उनकी पहली मलेशिया यात्रा है। वे वियतनाम से यहां आए हैं। उन्होंने हनोई में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लेकर रेल विकास तक, दर्जनों व्यापार सहयोग समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे।

शी ने आखिर किन वजहों से तीन देशों में जाना तय किया? दरअसल, 9 अप्रैल को रोक लगाने से पहले, ट्रम्प ने कई निर्यात–उन्मुख दक्षिण–पूर्व एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर सबसे अधिक 'पारस्परिक' टैरिफ लगाए। उन्होंने कंबोडिया पर 49 प्रतिशत के टैरिफ लगाए, जबकि वियतनाम और मलेशिया पर क्रमशः 46 प्रतिशत और 24 प्रतिशत शुल्क लगाया गया। व्यापार युद्ध और तेज हो गया है, क्योंकि व्हाइट हाउस ने कहा है कि चीन को अब अमेरिका में आयात पर 245 फीसदी टैरिफ का सामना करना पड सकता है।

वियतनाम अमेरिका द्वारा अधिकतम 46 प्रतिशत टैरिफ को लेकर गुस्से में है। सोमवार को वियतनामी अखघ्बार 'नहान डैन' में प्रकाशित एक लेख में, शी ने संरक्षणवाद की अपनी आलोचना दोहराते हुए कहा कि चीन और वियतनाम को मिलकर बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली और स्थिर आपूर्ति शृंखलाओं की रक्षा करनी चाहिए। यात्रा से पहले, शी ने तीन मलेशियाई समाचार आउटलेट द्वारा प्रकाशित एक लेख में चीन और मलेशिया के बीच 'बहुपक्षीय स्तर पर सहयोग की गति को बढ़ाने' का संकल्प लिया। टोरंटो विश्वविद्यालय में चीनी राजनीति की प्रोफेसर लिनेट ओंग ने कहा, 'मैं इसे व्यापार युद्ध में संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ लड़ने के लिए गठबंधन बनाने के शी के प्रयास के रूप में देखती हूं।'

10–सदस्यीय 'आसियान' के कई देश अमेरिका द्वारा भारी टैरिफ लगाए जाने से नाखुश हैं। वाशिंगटन ने मलेशिया पर 24 प्रतिशत व्यापार शुल्क लगाया, जिसे मलेशियाई अधिकारियों ने अस्वीकार कर दिया। मलेशिया, जो अपनी गुटनिरपेक्ष स्थिति का दावा करता है, सौदे पर बातचीत करने के लिए वाशिंगटन, एक प्रतिनिधिमंडल भेज रहा है। कई दक्षिण–पूर्व एशियाई सरकारें अमेरिकी बाजार तक अपनी पहुंच बनाए रखने के लिए ट्रम्प प्रशासन के साथ बातचीत करने की उम्मीद करती हैं। वियतनाम ने भी अधिक अमेरिकी सामान खरीदने, और अमेरिकी आयातों पर शुल्क में कटौती करने की पेशकश की है। कंबोडिया ने भी यू.एस. आयात पर टैरिफ को घटाकर पांच प्रतिशत करने की पेशकश की है।

डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा पूरी दुनिया में उथल–पुथल मचाये रखने का आज 15वां दिन है। ट्रंप ने 2 अप्रैल को वैश्विक बाजारों में अराजकता फैला दी, जिसे उन्होंने 'मुक्ति दिवस' कहा। एक दिन पहले वो ऐसा करते, तो बिना कहे लोग मान लेते कि ट्रंप, 'मूर्ख दिवस' मना रहे हैं। इस तथाकथित 'मुक्ति दिवस' की अर्थशास्त्रियों ने जमकर आलोचना की थी, और इसे निरर्थक बताया था। आयातित वस्तुओं पर वैश्विक स्तर पर 10 प्रतिशत का टैरिफ लगाया गया, जबकि कई देशों को उनके साथ अमेरिकी व्यापार घाटे के आधार पर बहुत अधिक शुल्क का सामना करना पड़ा। एक ऐसा कदम, जो अवांछित और हाहाकारी है।

कुछ ही दिनों में बाजार में उथल–पुथल, खरबों डॉलर की संपत्ति का सफाया और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में उछाल देखा गया, ट्रम्प ने बड़े टैरिफ पर 90–दिन की रोक की घोषणा की, लेकिन वाशिंगटन के सबसे करीबी सहयोगियों सहित सभी देशों पर 10 प्रतिशत के उपाय को बरकरार रखा। मगर, ट्रम्प ने मैक्सिको और कनाडा को बख्शा नहीं। इन पर लगाए गए 25 फीसद टैरिफ को बरकरार रखा। फिर उन्होंने चीन को निशाने पर लिया। जिससे बाजार में अराजकता फैल गई। क्या इसे 'टैरिफ वॉर' कहें, या कि 'टैरिफ टेररिजम'?

ट्रम्प प्रशासन द्वारा लगाए गए टैरिफ ने वित्तीय बाजारों को हिलाकर रख दिया है। कई निवेशक और बाजार पर्यवेक्षक वैश्विक आर्थिक मंदी के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। 16 अप्रैल को, प्रेसिडेंट शी इस्ताना नेगरा में मलेशिया के राजा, सुल्तान इब्राहिम इस्कंदर से मिले। इसके बाद प्रधानमंत्री अनवर के साथ दोपहर में पुत्रजया में सेरी परदाना कॉम्प्लेक्स (प्रधानमंत्री का आधिकारिक निवास) में बैठक हुई, जहां दोनों नेताओं की उपस्थिति में कई सहमति ज्ञापनों और द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किये गए।

आज चीन, कंबोडिया का सबसे बड़ा निवेशक, व्यापारिक साझेदार और डोनर है। इसके विपरीत, अमेरिकी सरकार और उसके सहयोगियों ने कथित मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए कम्बोडिया पर प्रतिबंध लगाए हैं, और फंडिंग में कटौती की है, जिससे नोम पेन्ह, पेइचिंग की बांहों में और भी अधिक चला गया है। कंबोडिया में चीनी 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' मजबूती से आगे बढ़ रहा है, इस कारण चीनी सहायता और निवेश पर नोम पेन्ह की निर्भरता बढ़ी है। वर्ष 1953 में कंबोडिया को फ्रांस से स्वतंत्रता मिलने के बाद द्विपक्षीय संबंध मधुर हुए। थाईलैंड और दक्षिण वियतनाम के प्रभाव को संतुलित करने की कोशिश में, कंबोडिया ने चीन के साथ मजबूत संबंध बनाए।

अमेरिका से 'फुल स्केल' टैरिफ युद्ध छिड़ने से पहले, क्या शी अपने गिर्द एक 'आर्थिक ग्रेट वाल ऑफ चाइना' का सृजन आरम्भ कर चुके हैं? लेकिन इस टैरिफ वॉर में गलत–सही सूचनाओं का भी युद्ध छिड़ा हुआ है। चीन, 2025 की पहली तिमाही में 5.4 फीसद जीडीपी की बढ़ोतरी का दावा ठोक रहा है। इसके उलट, अमेरिका परस्त आर्थिक विश्लेषक, गोल्डमैन सैक्स का मानना है, कि इस साल शी की अर्थव्यवस्था सिर्फ 4 फीसदी बढ़ेगी। वॉल स्ट्रीट निवेश बैंक को चिंता है, कि शी की अब तक की कार्रवाइयां 'टैरिफ के नकारात्मक प्रभाव को पूरी तरह से संतुलित करने' के लिए पर्याप्त नहीं हैं। कम से कम, यूबीएस के अर्थशास्त्री ताओ वांग का मानना है, कि चीन इस साल सिर्फ 3.4 फीसद, और 2026 में 3 प्रतिशत बढ़ेगा, क्योंकि ट्रंप के टैरिफ, निर्यात को रोक रहे हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन अपने देश में इसका दुष्प्रभाव देख रहे हैं। जॉन बोल्टन के अनुसार, 'व्यापार के मामले में चीन को आड़े हाथों लेने के ट्रंप के कदम उलटे पड़ सकते हैं, क्योंकि उनके व्यापक वैश्विक टैरिफ, सहयोगियों के साथ–साथ प्रतिद्वंद्वियों को भी प्रभावित करेंगे।'

अप्रैल में अमेरिकी उपभोक्ता सेंटीमेंट्स में वैसी गिरावट दिखी, जो कोविड महामारी के बाद दूसरी सबसे गहरी गिरावट है। करीब 50.8 प्रतिशत। अमेरिका में नौकरी छूटने, और बढ़ती मुद्रास्फीति ने लोगों की चिंताओं को बढ़ावा दिया है। लोग, सोच–समझकर सामान खरीद रहे हैं। अच्छे दिन जाने, और बुरे दिन आने के भय से बचत कर रहे हैं। अभी भारत में वैसी स्थिति आये, उससे पहले प्रधानमंत्री मोदी, और उनके रणनीतिकारों को सतर्क हो जाना चाहिए। शी की यात्रा का मकसद, उपभोक्तावाद को बचाये रखना है, जिस पर चीनी अर्थव्यवस्था टिकी हुई है।

—लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

मुकाबले में बने रहने को कांग्रेसी मंथन

—के.एस. तोमर—

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने हाल ही में अपना एआईसीसी सत्र अहमदाबाद में आयोजित किया। यह फैसला केवल संयोग नहीं था, बल्कि एक सूक्ष्म राजनीतिक रणनीति का हिस्सा था। कांग्रेस ने ने सरदार पटेल की कर्मभूमि के भाजपा द्वारा राष्ट्रीय प्रतीकों के 'अधिग्रहण' को चुनौती दी और पार्टी कैडर को आगामी चुनावी संघर्षों के लिए तैयार करने का प्रयास किया।

कांग्रेस यह संदेश देना चाहती है कि सरदार पटेल कांग्रेस के विचारों से बाहर नहीं, बल्कि उसकी आत्मा के प्रमुख स्थापक रहे हैं। यद्यपि एआईसीसी सत्र में नयापन और जोश नजर आया, लेकिन पार्टी के सामने कई गंभीर चुनौतियां हैं। इन चुनौतियों में राज्यों में कांग्रेस की राज्यस्तरीय संगठनात्मक संरचना का कमजोर होना व युवाओं से जुड़ाव की कमी है। दरअसल, पहली बार वोट देने वाले युवा अब भी बीजेपी की राष्ट्रवाद और आकांक्षी राजनीति से अधिक प्रभावित हैं। चुनौती यह भी कि पार्टी में राहुल गांधी की औपचारिक स्थिति अब भी स्पष्ट नहीं है। वहीं पार्टी अब तक इंडिया गठबंधन में शामिल तृणमूल, आप और सपा जैसे दलों के साथ मतभेदों का समुचित प्रबंधन नहीं कर पायी है। वहीं पार्टी भाजपा के हिन्दुत्व के ध्रुवीकरण के मुकाबले उदार हिंदू वोटर को आकर्षित नहीं कर पायी, जिससे अल्पसंख्यकों की सुरक्षा–विश्वास सुनिश्चित हो।

एआईसीसी सत्र में कांग्रेस ने बूथ–स्तर के अभियानों, भारत जोड़ो यात्रा 2.0, और युवा, ऊर्जावान सोशल मीडिया पहलों की घोषणा की। कांग्रेस का 'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान सीधे मतदाता से संपर्क साधने का प्रयास है। महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस और एनएसयूआई जैसे फ्रंटल संगठनों को फिर से सक्रिय करने का निर्णय लिया गया है।

गुजरात में कांग्रेस ने अपनी अलग पहचान को सामने रखा, मगर यह सत्र इंडिया गठबंधन में उसकी भूमिका को अनदेखा नहीं कर सका। राहुल गांधी ने स्पष्ट रूप से कहा कि कांग्रेस इस गठबंधन को एक सूत्र में पिरोने वाली कड़ी है और सीट बंटवारे को लेकर सम्मानजनक संवाद आवश्यक होगा। कांग्रेस ने साफ कर दिया कि वह गठबंधन राजनीति के लिए प्रतिबद्ध है, परंतु किसी भी स्थिति में दूसरे दर्जे की भूमिका स्वीकार नहीं करेगी। विशेष रूप से राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में, जहां उसकी मजबूत पकड़ है, वह अधिकतम सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस का यह दृष्टिकोणकृस्वतंत्र शक्ति के प्रदर्शन और साझा विपक्ष की एकता बनाए रखना 2029 के आम चुनाव तक संतुलन साधने की एक बड़ी परीक्षा होगा।

पिछले दो दशकों से भाजपा के गढ़ रहे गुजरात में एआईसीसी सत्र आयोजित करना कांग्रेस का साहसिक निर्णय था। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सिर्फ 17 सीटें जीत पाई थी। इस सत्र के जरिए पार्टी ने संकेत दिया कि वह वैचारिक जमीन छोड़ने को तैयार नहीं और उन क्षेत्रों में भी फिर से जड़ें जमाएगी।

यह केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि विरासत की बात थी। कांग्रेस से जुड़े महात्मा गांधी और सरदार पटेल दोनों महान स्वतंत्रता सेनानीकृ गुजरात से थे। पिछले एक दशक में भाजपा ने पटेल की छवि को हथियाने का भरपूर प्रयास किया हैकृउन्हें एक 'नजरअंदाज किए गए राष्ट्रवादी' के तौर पर पेश किया गया। 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' इसका प्रतीक है, मगर ऐतिहासिक तथ्य बताते हैं कि पटेल कांग्रेस के एक कट्टर नेता थे, नेहरू के घनिष्ठ सहयोगी और संवैधानिक लोकतंत्र के प्रबल पक्षधर।

राहुल गांधी ने याद दिलाया कि बतौर भारत के पहले गृहमंत्री, पटेल ने रियासतों के एकीकरण में अहम भूमिका निभाई थी एक सेक्युलर और एकजुट भारत के निर्माणकर्ता के रूप में, न कि किसी हिन्दू राष्ट्रवादी के रूप में। संघ परिवार ने पटेल को नेहरू के वैचारिक प्रतिद्वंद्वी के रूप में पेश करने की जो कोशिश की है, उसे कांग्रेस ने तथ्यात्मक रूप से चुनौती दी। पटेल ने गांधी जी की हत्या के बाद आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया और भारत के धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक ढांचे की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आयोजन के जरिये मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता ने पुराने और नए नेतृत्व के बीच संतुलन को दर्शाया, वहीं राहुल और प्रियंका गांधी ने नई पीढ़ी का चेहरा पेश किया। सोनिया गांधी ने अपने संक्षिप्त भाषण में 'सत्य और धैर्य से संघर्ष' का संकल्प दोहराया। राहुल गांधी ने मुख्य भाषण में भावनात्मक और रणनीतिक दोनों ही पक्षों को जोड़ा। उन्होंने मोदी सरकार पर संस्थाओं के दुरुपयोग, लोकतंत्र की कमजोर पड़ती संरचना, बेरोजगारी, पूंजीवाद और असहमति की आवाज को दबाने जैसे मुद्दों को उठाया।

निस्संदेह, एआईसीसी सत्र केवल औपचारिकता नहीं था, बल्कि एक रणनीतिक पुनर्संरेखन था। सरदार पटेल की भूमि को चुनकर कांग्रेस ने भाजपा के 'राष्ट्रवाद के एकमात्र ठेकेदार' होने के दावे को खुली चुनौती दी।

अब कांग्रेस एक चौराहे पर खड़ी है या तो इस जोश को जमीनी मेहनत में बदलकर वापसी का रास्ता बनाए, या फिर मोदी की चुनावी रणनीति के सामने धीरे–धीरे अप्रासंगिक हो जाए। एआईसीसी सत्र शुरुआत थी मगर असली लड़ाई भारत के मतदाताओं के दिलों में लड़ी जाएगी।—लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं।

प्राइवेट स्कूल का मास्टर, सम्मान से दूर, सिस्टम का मजदूर

—प्रियंका सौरभ—

एक समय था जब "गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय" जैसे दोहे बच्चों की जुबान पर होते थे। आज हाल ये है कि अगर मास्टर जी मोबाइल पकड़ लें तो कहा जाता हैकृष्इतनी फुर्सत है तो बच्चों को क्यों नहीं संभालते?ष जमाना बदल गया है, अब शशिक्षकश शब्द पवित्रता नहीं, सहनशीलता का प्रतीक बन गया है। और इस सहनशीलता का सबसे क्रूर रूप दिखता है प्राइवेट स्कूल के शिक्षकों की दुनिया में।

बाहर से देखिए तो प्राइवेट स्कूल किसी फाइव स्टार होटल से कम नहीं लगता, एसी क्लासरूम, हाईटेक बोर्ड, इंग्लिश बोलते बच्चे और व्हाइट–ग्लव्स पहने बस अटेंडेंट्स। लेकिन अंदर झाँकिए, वहाँ एक मास्टर साब बैठा है, जो न वक्त पर चाय पी सकता है, न लंच कर सकता है। जो बच्चा होमवर्क न करे, उसकी शिकायत आए तो मास्टर की क्लास लगती है। जो बच्चा एग्जाम में फेल हो जाए, तो मैनेजमेंट पूछता है–क्यों पढ़ाया नहीं ढंग से?

प्राइवेट स्कूलों में सैलरी का सिस्टम इतना गोपनीय है कि सीक्रेट एजेंसियाँ भी शर्मा जाएं। अपॉइंटमेंट लेटर पर 25,000 लिखा होता है, लेकिन बैंक में 8,000 ट्रांसफर होते हैं। बाकी कैश में मिलते हैं या कभी नहीं मिलते। और मजा देखिए टीचर से सैलरी का हिसाब माँगा जाए तो जवाब होता है– "बोलिए, नौकरी चाहिए या नहीं?"

घर में बहू, माँ और पत्नी। स्कूल में मैडम, टीचर और दीदी। महिला शिक्षकों को दोहरी जिम्मेदारी के साथ जीना पड़ता है। सुबह 5 बजे से घर संभालो, फिर स्कूल जाओ और वहाँ 40 बच्चों की जिम्मेदारी उठाओ। ऊपर से अगर पति भी प्राइवेट सेक्टर में हो, तो महीने की सैलरी से पहले ही घर का बजट गिरवी रख देना पड़ता है।

सरकारी कैलेंडर कहता है 15 अगस्त छुट्टी है, 26 जनवरी छुट्टी है, लेकिन प्राइवेट स्कूल कहता है"आओ, झंडा फहराओ, भाषण दो, फिर हाजिरी लगाओ और जाओ।" छुट्टी के दिन भी हाजिरी की मजबूरी। अगर बीमार पड़ गए, तो कहेगा छुट्टी नहीं है, डिडक्शन लगेगा।' शिक्षक का गला बैठ जाए, तब भी कहा जाता है "क्लास तो लेनी होगी, और कोई नहीं है।"

आज शिक्षक सिर्फ पढ़ाता नहीं है, वो क्लास टीचर है, परीक्षा नियंत्रक है, अभिभावक संवाद अधिकारी है, व्हाट्सएप ग्रुप एडमिन है, स्पोर्ट्स डे का आयोजक है और हर हफ्ते सेल्फी वाले वीडियो का संपादक भी। लेकिन जब सैलरी की बात आए, तो कहा जाता है "आप तो सिर्फ दो पीरियड पढ़ाते हैं।"

बच्चा अगर टॉप करे तो प्रिंसिपल प्रेस कॉन्फ्रेंस करता है"हमारे स्कूल का वातावरण ही ऐसा है।" और अगर बच्चा फेल हो जाए तो मास्टर की जवाबदेही तय होती है "आपने ठीक से पढ़ाया नहीं।" जीत स्कूल की, हार शिक्षक की। फोटो बैनर पर प्रिंसिपल की, मेहनत मास्टर की।

आजकल अभिभावक चाहते हैं कि शिक्षक 3 महीने में उनके बच्चे को आईएएस बना दे, और अगर ऐसा न हो पाए तो कहते हैं–"हम तो सरकारी स्कूल में डाल देते तो भी क्या फर्क पड़ता!" बच्चे की गलती भी अब मास्टर की जिम्मेदारी है। पैरेंट्स मीटिंग में सबसे ज्यादा डांट मास्टर खाता है।

5 सितंबर को बच्चों से 'हैप्पी टीचर्स डे' के फूल मिलते हैं। बच्चे गाना गाते हैं–सर आप महान हैं और अगले ही दिन वही बच्चा होमवर्क न करने पर कहता है–टीचर का क्या है, कुछ भी बोल देते हैं।' साल भर की जिल्लत को एक दिन की इज्जत से ढकना, अब आदत बन गई है।

नई शिक्षा नीति 2020 कहती है कि शिक्षक की स्थिति मजबूत होनी चाहिए। लेकिन जमीनी हकीकत ये है कि न कोई रेगुलेशन है, न कोई निगरानी। जिला शिक्षा अधिकारी सिर्फ सरकारी स्कूलों की जांच करता है, प्राइवेट स्कूलों को छूट मिली हुई है–अपना नियम खुद बनाओ, खुद चलाओ।'

आज छात्र अधिकारों की बात करता है–मार नहीं खाना, होमवर्क कम मिलना, रिजल्ट अच्छा आना। लेकिन शिक्षक के अधिकारों की बात कौन करे? क्या कोई आरटीआई लगा सकता है कि मास्टर को कितनी सैलरी मिल रही है? नहीं। क्योंकि शिक्षक अधिकारों की बात करना आज भी 'असहनीय' माना जाता है।

अब वक्त आ गया है कि शिक्षक चुप्पी तोड़े। सरकार को चाहिए कि एक रेगुलेटरी बॉडी बनाए जो प्राइवेट स्कूलों की सैलरी, काम के घंटे, छुट्टियाँ और काम का बोझ तय करे। हर जिले में निजी शिक्षकों की यूनियन बने जो एक स्वर में बोले। अभिभावकों को भी समझना होगा कि शिक्षक सिर्फ एक वेतनभोगी कर्मचारी नहीं, बल्कि उनके बच्चे के भविष्य का निर्माता है।

देश अगर आगे बढ़ना चाहता है तो सबसे पहले उस हाथ को संभालना होगा जो ब्लैकबोर्ड पर चॉक से भविष्य रचता है। उस आवाज को सुनना होगा जो हर दिन 'गुड मॉर्निंग' कहकर बच्चे को दिन की शुरुआत सिखाता है। शिक्षक की मुस्कान में देश की मुस्कान छिपी है, लेकिन उस मुस्कान के पीछे कितना दर्द है, ये जानने वाला कोई नहीं।

"बच्चा फेल हो जाए तो शिक्षक जिम्मेदार। बच्चा टॉप कर जाए तो स्कूल का नाम।" ये संतुलन तोड़ना होगा। अगर प्राइवेट स्कूलों को सचमुच शिक्षा का मंदिर बनाना है, तो पहले उसमें शिक्षक की पूजा होनी चाहिए कम से कम उसका शोषण तो बंद हो।

गोवंशों को ट्रक में भरकर बिहार ले रहा रहे थे तस्कर, पुलिस से मुठभेड़ में एक को लगी गोली

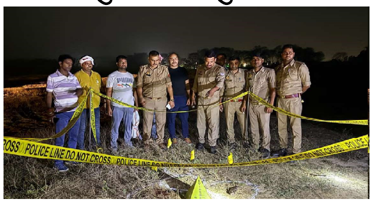

संवाददाता–गोण्डा। जिले के धानेपुर के जमुनागंज में बुधवार देर रात 28 गोवंशों को ट्रक में भरकर बिहार के सिवान ले जा रहे संतकबीरनगर निवासी गोतस्कर शमशेर और वहां गिरफ्तारी के लिए पहुंची एसओजी व धानेपुर पुलिस की मुठभेड़ हो गई। पैर में गोली लगने के बाद शमशेर को गिरफ्तार किया गया है। उसके कब्जे से ट्रक व 28 गोवंश, तमंचा, कारतूस व खोखा बरामद किया गया है।

एसपी विनीत जायसवाल ने बताया कि बुधवार देर रात धानेपुर पुलिस व एसओजी की टीम राध ास्वामी आश्रम के करीब पांच सौ मीटर दूर जमुनागंज में धानेपुर पुलिस संदिग्धों की चेकिंग कर रही थी। गोवंशों से लदा ट्रक होने की जानकारी के बाद धानेपुर प्रभारी निरीक्षक निर्भय नारायण सिंह व एसओजी प्रभारी संजय गुप्ता की अगुवाई वाली टीम ने घेराबंदी कर दी। इस दौरान ट्रक चालक शमशेर ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। हालांकि किसी तरह से पुलिसकर्मियों ने खुद को बचाते हुए जवाबी फायरिंग की। इसमें शमशेर के पैर में गोली लगने के बाद गिरफ्तार किया गया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह संतकबीर नगर के ध ुसुरा दुधारा का रहने वाला है। ट्रक में गोवंश लादकर बिहार प्रांत के सिवान जा रहा था। उसके कब्जे से पुलिस ने 28 गोवंश से लदा ट्रक, तमंचा, कारतूस और खोखा बरामद किया गया है। आरोपी ने घूम–घूमकर गोवंशों को पकड़कर बिहार में तस्करी की बात स्वीकार की। हालांकि उसके अन्य साथियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। प्रभारी निरीक्षक निर्भय नारायण सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपी का अपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। पुलिस पूछताछ में स्थानीय लोगों की भी संलिप्तता की आशंका जताई जा रही है। प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि वर्तमान में गोतस्कर गोंडा को सुरक्षित ठिकाना मान रहे हैं। कुछ और संदिग्धों की पहचान की गई है। उनका कहना है कि संतकबीरनगर का दुधारा गो तस्करी के लिए कुख्यात है। पुलिस को कई अहम सुराग मिले हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गो तस्करी के आरोपों में रिपोर्ट दर्ज की है साथ ही आरोपी को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस को कई अहम सुराग मिले हैं।

अजय बोले–सरकार और ईडी कांग्रेस नेताओं को कर रही परेशान

संवाददाता–कुशीनगर। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी डीएम कक्ष तक पहुंचे। जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज उनसे मिले बिना ही अपनी गाड़ी से निकल गए। अजय कुमार लल्लू ने आरोप लगाया कि सरकार और ईडी मिलकर कांग्रेस नेताओं को परेशान कर रहे हैं। जिला कांग्रेस कमेटी के एक दिवसीय धरना प्रदर्शन में नेताओं ने केंद्र सरकार पर नेशनल हेराल्ड की संपत्ति को अलोकतांत्रिक तरीके से सीज करने का आरोप लगाया।

कांग्रेस नेता अजय अंशुमणि ने कहा कि 1937 में पंडित नेहरू ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ नेशनल हेराल्ड की स्थापना की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी नेहरू से जुड़ी हर निशानी को मिटाना चाहते हैं। नेताओं ने कहा कि ईडी के जरिए न सिर्फ नेशनल हेराल्ड की संपत्तियां सीज की गई हैं, बल्कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी को जेल भेजने की योजना भी बनाई जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार अपना फैसला वापस नहीं लेती है तो देश की जेलें कांग्रेस कार्यकर्ताओं से भर जाएगी। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि भाजपा, मोदी और शाह राहुल गांधी से डरे हुए है। लोगों के आम मुद्दे पर राहुल गांधी सरकार से सवाल करते है। राहुल गांधी ने जैसे ही मोदी शाह को चौलेंज किया तो वे डर कर झूठे मामले में फंसा रहे है। राहुल गांधी सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी जी पर नेशनल हेराल्ड के फर्जी मामले में ईडी ने चार्ज सीट भेजी है। 5900 मामले अब तक एड ने दर्ज किया। जिसमें 23 मामलों में ही एड साबित करने में कामयाब रही 70000 करोड़ की संपत्ति ईडी जब्त कर रखा है। तो क्या मोदी, शाह और ईडी के डायरेक्टर ये बता पाएंगे कि इतने मामले में रिजल्ट इतना कम क्यो है। अजय ने कहाकि नेशनल हेराल्ड का मामला पूरी तरह से फर्जी है। क्योंकि इसकी प्रामाणिकता उसी से साबित होती है। जब ईडी ने नोटिस कर राहुल गांधी सोनिया गांधी को बुलाया, तो उन लोगों ने जाकर सारे सवालों के जवाब दिए। रॉबर्ट वाड्रा जिनको पहले ही ईडी ने क्लीन चिट दे रखी है। उन्हें भी नोटिस भेजकर बेवजह परेशान किया जा रहा है। डरी हुई है। सरकार सिर्फ राहुल गांधी के आम लोगों के मुद्दों पर बोलने की आवाज को दबाना चाहती है। सरकार नफरत की राजनीति में व्यस्त है। मोदी, शाह मस्त हैं। इसीलिए कुशीनगर के जिला कलेक्ट्रेट के सामने हम सरकार को नींद से जगाने के लिए और यह बताने के लिए कि हम उनसे डरने वाले नहीं हैं। धरना देने आए हैं।

बाइक सवार युवक पर तेंदुए ने किया हमला, गंभीर घायल

संवाददाता–बहराइच। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग की कतर्निया रेंज के कैलाशपुरी बाजार से गुरुवार दोपहर में घर जा रहे बाइक सवार युवक पर तेंदुए ने हमला कर दिया जिसमें युवक घायल हो गया। घायल को एंबुलेंस से सुजौली पीएचसी लाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज कर घायल को मोतीपुर सीएचसी रेफर कर दिया। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग कतर्नियाघाट रेंज से सटे कैलाश नगर ढकिया गांव निवासी प्रकाश पुत्र आत्माराम अपनी बाइक से कैलाशपुरी बाजार गया था। कैलाशपुरी बाजार से वापस आते समय बाइक सवार प्रकाश के ऊपर अचानक घोसियाना मोड़ के आगे तेंदुए ने हमला कर दिया। तेंदुए के हमले को देख प्रकाश ने बाइक की रफ्तार बढ़ाई और किसी तरीके से अपनी जान बचाई। इस दौरान तेंदुए का पंजा उसके पैर पर लग गया। सूचना पाकर मौके पर वन दरोगा अरविंद, वनरक्षक अब्दुल सलाम मौके पर पहुंचे।

महिला ने सोशल मीडिया पर लगाए पति–सास पर आरोप

संवाददाता–महराजगंज। थाना कोल्हुई क्षेत्र में एक महिला ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी किया था। जिसमें महिला ने वीडियो में अपने पति और सास के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं।

पीड़िता का आरोप है कि उसका पति किसी दूसरी महिला के साथ फरार हो गया है। साथ ही उसकी सास उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करती है। महिला ने वीडियो में प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई थी

मामले को गंभीरता से लेते हुए कोल्हुई थाने के प्रभारी ने तुरंत जांच शुरू कर दी है। अपर पुलिस अध ीक्षक महराजगंज ने कहा कि सभी पक्षों से पूछताछ की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने पीड़िता की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। महिला को न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

किसानों ने उठाया बकाया गन्ना और दुग्ध मूल्य का मुद्दा

संवाददाता–देवरिया। विकास भवन के गांधी सभागार में आयोजित किसान दिवस में किसानों ने करोड़ों का बकाया गन्ना मूल्य तथा एक करोड़ से अधिक का दुग्ध मूल्य का भुगतान नहीं करने का मुद्दा उठाया। चीनी मिल पर किसानों का 34 करोड़ गन्ना मूल्य बकाया है। अभी तक मिल ने 10 करोड़ का भुगतान किया है। तीन वित्तीय वर्ष का दूध समितियों का एक करोड़ बकाया है। किसानों ने जंगली जानवरों से फसलों को होने वाले नुकसान से बचाने की योजना लागू करने की मांग की। बुधवार को किसान दिवस का आयोजन जिला विकास अधिकारी रविशंकर राय की अध्यक्षता में किया गया। इसमें विभिन्न विभागों द्वारा किसानों के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। उप कृषि निदेशक सुभाष मौर्य ने पिछले किसान दिवस की शिकायतों की आख्या प्रस्तुत की। बताया कि अभी तक 59 प्रतिशत किसानों ने फार्मर रजिस्ट्री नहीं कराई है। शीघ्र ही अपने नजदीकी सहज जन सेवा केंद्र या मोबाइल से पंजीकरण करा लें, अन्यथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि ा की 20वीं किस्त से वंचित हो जायेंगे। सोलर पंप योजना में किसानों से चालान और प्रपत्र जमा करने को कहा गया। किसान नेताओं ने कहा कि 44 करोड़ के गन्ने में अभी तक 10 करोड़ का भुगतान किया गया और 34 करोड़ रूपया बकाया है। किसान रमेश मिश्र ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2022–23, 2023–24 व 2024–25 का दुग्ध मूल्य का एक करोड़ बकाया है। चालू वित्ती वर्ष में लाखों रूपया बकाया है, लेकिन सीएम डेश बोर्ड पर पूर्ण भुगतान दिखा दिया गया है। किसान नेता विनय सिंह ने बरियारपुर के जेई द्वारा किसानों के विद्युत कनेक्शन मामलों में रुचि नहीं लेने की शिकायत की। किसान नेता राघवेन्द्र प्रताप शाही ने कृषि योजनाओं का लाभ किसानों को न मिलने की शिकायत की। जिला कृषि अधिकारी मृत्युंजय कुमार सिंह ने बताया कि जिले में खाद की कोई कमी नहीं है। हरी खाद हेतु ढैंचा बीज की 500 क्विंटल मांग की गई है, जो शीघ्र ही बीज गोदामों पर उपलब्ध कराई जाएगी। किसानों हरी खाद के साथ ढ़ैचा बीज उत्पादन पर भी जोर दिया। सीवीओ डा.एके वैश्य ने बताया कि 3000 पशुओं के बीमा का लक्ष्य है। देशी नस्ल की गायों पर 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जायेगा। जिला उद्यान अधिकारी राम सिंह ने आम, लीची, केला, ड्रैगन फ्रूट, मखाना, कटहल, आंवला व अमरूद की बागवानी पर मिलने वाले अनुदान की जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र, मल्हना के प्रभारी ने बताया कि फल एवं सब्जी की खेती को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

महाभारत जैसा महाकाव्य इस संसार में दूसरा नहीं है –आचार्य राधेश्याम शास्त्री

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्री धाम अयोध्या में ममतामयी श्री रामस्नेही माता जी के जन्म शताब्दी समारोह में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में आचार्य राध ेश्याम शास्त्री जी महाराज ने बताया कि गंगायां भीष्म आत्मवार्न्व धर्म विदां श्रेष्ठरू महाभागवतरू कविरू भक्ति से ही आत्मवान् का अवतरण होता है। गंगा भक्ति है भीष्म आत्मवान् हैं।प्रज्ञावकार वेदव्यास ने जिस सम्मान के साथ दिव्य गुणों और विशिष्ट विशेषणों का वर्णन किया है उसे पढ़कर पितामह के लोकोत्तर भावों का पता चलता है।अपनी मर्जी का प्रकाश कोई प्रकाश सिद्ध होने वाला नहीं है।इस महा समर्पण के कारण ही यह गरिमा उनको कृष्ण ने दी। महाभारत बहुत अनूठा है। उसकी हर घटना अनूठी है। महाभारत जैसा महाकाव्य इस संसार में दूसरा नहीं। उसमें जीवन के बड़े गहन तत्वों को बड़ी सरलता से प्रकट किया गया है। मगर बड़ी सूझ चाहिए, तो ही दिखाई पड़ेगा कि मामला क्या है।

मरणशय्या पर पड़े भीष्म के पास भेजते हैं कि सीख लो उनसे धर्म की असली बात। क्योंकि जिसने इतना महा समर्पण किया है, उसने असली धर्म को पहचान लिया है।उलटा ही होता, तुम अगर होते, तो तुम कहते, इसके पास क्या जाना, जो दुष्टों के साथ खड़ा रहा! जिसको धर्म की इतनी भी बुद्धि नहीं है कि असद को छोड़ो, सद को पकड़ोय बुराई को त्यागों, भलाई को पकड़ोय जिसको इतनी भी सदबुद्धि नहीं है, इसके पास धर्म सीखने जाना? बात ही उलटी है! लेकिन कृष्ण ने भेजा, पांडव गए। न तो पांडवों ने यह बात उठाई कि हम जाएं, इस आदमी से सुनने! नहीं, वे समझे इस राज को कि भीष्म वहां अपनी मर्जी से नहीं हैं, वे परमात्मा की मर्जी से हैं।जिसने इस तरफ लोगों को खड़ा किया है, उसी ने उस तरफ भी लोगों को खड़ा किया है। खेल उसका है। हम उसके हाथ में चलने वाले प्यादे, सिपाही, घोड़े, हाथी, राजा, रानी, कुछ भी हों, लेकिन शतरंज के मोहरे हैं। हाथ उसका है, वह जहां उठाए, जैसे चलाए। जो उसके साथ पूरी तरह चलने को राजी है, जिसने अपने अहंकार को बिलकुल छोड़ा है, वही धर्म के गुह्य राज को जानने में समर्थ होता है।मरने के पहले पूछ लो उससे, कृष्ण ने कहा, यह अवसर न खो जाए। क्योंकि जो नासमझ उसके आसकृपास खड़े हैं, वे तो उससे पूछेंगे भी नहीं। शायद दुर्योधन तो यही सोचता रहा होगा मन में कि ये भीष्म पितामह और ये सब मेरी दुष्टता के कारण ही मेरे साथ हैं। मेरे भय के कारण मेरे साथ हैं। या मेरे साथ रहने से कुछ लोभ पूरा होगा, धनकृसंपदा, यशकृ प्रतिष्ठा मिलेगी, विजय मिलेगी, इसलिए मेरे साथ हैं। मेरे डर के कारण मेरे साथ हैं। उसने तो कभी सोचा भी न होगा कि ये एक परम समर्पण के कारण मेरे साथ हैं।

जीवन के लिए हेल्थ इंश्योरेंस महत्वपूर्ण है, लेकिन चुनना कठिन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या । इंश्योरेंस में जानने लायक सबसे महत्त्वपूर्ण शब्द है सम इंश्योर्ड, हेल्थ इंश्योरेंस के संदर्भ में यह सबसे खास है। यह एक पॉलिसी वर्ष में आपके मेडिकल खर्चों के लिए आपकी इंश्योरेंस कंपनी द्वारा भुगतान की जाने वाली अधिकतम राशि को दर्शाता है। अपने सम इंश्योर्ड को निर्धारित करना महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इससे आपको पता चलता है कि कोई बीमारी या एमरजेंसी का सामना होने पर आपके पास कितना कवरेज होगा. हेल्थकेयर की लागत बढ़ रही है, ऐसे में सही सम इंश्योर्ड होने से आप मेडिकल ट्रीटमेंट पर आने वाले अधिक बिल से बच सकते हैं। हममें से बहुत से लोगों को सही कवरेज चुनना काफी मुश्किल लगता है,बुनियादी बातों को समझकर, आप अपने हेल्थ इंश्योरेंस कवरेज के बारे में स्मार्ट निर्णय ले सकते हैं. इससे सुनिश्चित होता है कि आपके पास मेडिकल खर्चों को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए पर्याप्त फाइनेंशियल सहायता होगी।इसलिए, सही सम इंश्योर्ड होने का मतलब है अपने अप्रत्याशित हेल्थकेयर खर्चों के बारे में अधिक चिंता से मुक्ति। इंश्योरेंस के लिए सही सम इंश्योर्ड चुनना महत्वपूर्ण है। अगर आप बहुत कम सम इंश्योर्ड चुनते हैं, तो आपको मेडिकल बिल के लिए अतिरिक्त भुगतान करना पड़ सकता है और अगर आप इसे बहुत अधिक पर सेट करते हैं तो आपको जरूरी से अधिक प्रीमियम का भुगतान करना पड़ सकता है. सबसे अच्छा तो यह होगा कि आप ऐसा सम इंश्योर्ड चुनें, जो आपकी जरूरतों को प्रभावी रूप से

कवर भी करे और बहुत अधिक महंगा भी न हो. इस तरह, आप बहुत अधि ाक प्रीमियम का भुगतान करने से बचते हुए यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आपके पास अपने स्वास्थ्य खर्चों के लिए पर्याप्त सुरक्षा हो।सही संतुलन की तलाश करने से आपको फाइनेंशियल रूप से सुरक्षित रहने और किसी भी अप्रत्याशित मेडिकल खर्च या बीमारियों के लिए तैयार रहने में मदद मिलेगी. इससे आप बेफिक्र रहेंगे।

मन की शांतिरू सही सम इंश्योर्ड होने से आपको मन की शांति मिलती है, आप मेडिकल बिलों की चिंता किए बिना बेहतर होने पर ध यान केंद्रित कर सकते हैं। पर्याप्त कवरेज के साथ, आप लागत के बारे में सोचे बिना सर्वश्रेष्ठ हेल्थकेयर चुन सकते हैं. यानी, यह जानते हुए अपनी रिकवरी पर ध्यान केन्द्रित कर सकते हैं कि आप अप्रत्याशित खर्चों से सुरक्षित हैं। इससे आपको सुरक्षित महसूस करने में मदद मिलती है और आप इलाज के लिए भुगतान करने के तनाव के बिना तेजी से ठीक हो पाते हैं।गंभीर बीमारियों के लिए कवरेजरू गंभीर रोगों का सामना करते समय, इलाज का खर्च बहुत अधिक हो सकता है. कैंसर या हृदय रोग जैसी बीमारियों के लिए अक्सर महंगे उपचारों और हॉस्पिटल में लंबे समय तक रहने की आवश्यकता होती है. इसलिए अधिक सम इंश्योर्ड होना महत्वपूर्ण है. यह सुनिश्चित करता है कि आपके पास इन अप्रत्याशित मेडिकल खर्चों के लिए पर्याप्त कवरेज हो, पर्याप्त इंश्योरेंस के साथ, आप इलाज के लिए भुगतान करने की चिंता करने के बजाय बेहतर होने पर ध्यान केंद्रित कर पाते है।फैमिली हेल्थ प्लान चुनते समय, ऐसी कवरेज राशि चुनना महत्वपूर्ण है, जो हर किसी की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा कर सके।उच्च मेडिकल खर्चों से आपको सुरक्षित रखने के लिए हेल्थ इंश्योरेंस महत्वपूर्ण है, और यह टैक्स लाभ के साथ आता है जिससे आपको पैसे बचाने में मदद मिल सकती है. इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80डी के तहत, आप अपने हेल्थ इंश्योरेंस पर भुगतान किए गए प्रीमियम के लिए कटौती का क्लेम कर सकते हैं।अपने हेल्थ इंश्योरेंस के लिए सही सम इंश्योर्ड चुनना महत्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करता है कि सबसे अधि ाक आवश्यकता होने पर आपको फाइनेंशियल सुरक्षा और क्वालिटी हेल्थकेयर तक एक्सेस मिले।सूचित विकल्प चुनकर, आप खुद को और अपने परिवार को अप्रत्याशित मेडिकल खर्चों और जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षित करते हैं. सही सम इंश्योर्ड के साथ, आप लागत की चिंता किए बिना अपनी रिकवरी पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं. आखिर में, यह मन की शांति, कॉम्प्रिहेंसिव कवरेज और फाइनेंशियल स्थिरता प्रदान करता है।

मनरेगा श्रमिकों की मजदूरी बाजार से कम, कई माह से नही मिली मजदूरी

संवाददाता–गोण्डा। जिले की ग्राम पंचायतों के विकास को रफ्तार देने में बीते दो दशक से सबसे अहम भूमिका मनरेगा श्रमिकों ने निभाई है। मनरेगा की रीढ़ बने श्रमिक ग्रामीण विकास को अपने पसीने से सींचते हैं। सुबह से शाम तक कड़ी मेहनत करके चकरोड, सीसी रोड समेत विकास के तमाम काम इनके कंधों पर टिका होता है। लेकिन शासन–प्रशासन की बेरुखी से जिले में मनरेगा श्रमिकों की आर्थिक स्थिति बहुत दयनीय हो गई है।

एक अनुमान के मुताबिक जिले में श्रमिकों की करीब 22 करोड़ से अधिक की मजदूरी बकाया है। सैकड़ों श्रमिक हर दिन बैंक जाकर पासबुक चेक करते हैं। इन लोगों ने बताया कि कई महीने से मजदूरी न मिलने से जीविकोपार्जन पर संकट आ गया है। सभी जरूरी खर्चे रुक गए हैं। किसी को बच्चों की फीस तक जमा करनी है तो कोई अपने परिवार का दवा कराने में असमर्थ हो चुका है। श्रमिक मजदूरी के भुगतान के लिए प्रधान से लेकर अफसरों की चौखट पर गुहार लगा रहे हैं लेकिन उन्हें सिर्फ मासूयी मिलती है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक मनरेगा में पंजीकृत जिले में एक लाख 73 हजार 825 मजदूर सक्रिय हैं। इसका आशय यह है कि ये लोग मौजूदा समय में मनरेगा के तहत काम करते हैं। मजदूरी भुगतान नियत समय से नहीं होने की वजह से मजदूर आर्थिक तंगी झेल रहे हैं। मनरेगा के तहत जॉब कार्डधारक मजूदरों को एक साल में सौ दिन में रोजगार देने का प्रावधान है। पिछले वित्तीय वर्ष मनरेगा श्रमिकों ने 49 लाख 53 हजार 899 मानव दिवस सृजित किए। इसमें गांवों में चकमार्ग, कच्ची सड़क, तालाबों की खुदाई करके उनको पुर्नजीवित करने का काम शामिल है।

जिले में अमृत सरोवर के निर्माण में मनरेगा श्रमिकों की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है। भूमि समतलीकरण के साथ पौधरोपण के लिए करीब 50 लाख गड्ढे श्रमिकों ने ही खोदे। विकास की हर कड़ी में प्रमुख भूमिका निभाने वाले श्रमिकों को पारिश्रमिक समय से न मिलने से उनका हौसला टूटता चला जा रहा है। वजह साफ है कि परिवार को खाली पेट रखकर ये लोग कैसे काम करें। इसलिए जिले में बड़ी तादाद में श्रमिकों ने दिहाड़ी पर काम करना शुरू कर दिया है।

मनरेगा श्रमिकों को बीते वर्ष नवबंर से मजदूरी का भुगतान नहीं हुआ है। बकाये का यह आंकड़ा 22 करोड़ रुपये से ज्यादा तक पहुंच चुका है। अगर निर्माण सामग्री की लागत जोड़ दें तो यह रकम 35 करोड़ से अधिक हो जाएगी। श्रमिक अपनी मजदूरी लेने के लिए ब्लॉक से लेकर जिला मुख्यालय के ऑफिसों के चक्कर लगा रहे हैं। हर जगह से उन्हें रटा–रटाया जवाब मिल रहा है कि बजट मिलते ही खाते में भुगतान कर दिया जाएगा लेकिन कब यह बताने को कोई तैयार नहीं है। इससे परेशान मजदूरों ने मनरेगा से किनारा कर लिया है, तमाम लोगों ने दूसरी जगह काम करना शुरू कर दिया है। मनरेगा श्रमिकों का छह–छह महीने से मजदूरी का भुगतान न होने से मनरेगा मजदूर खफा हैं। मनरेगा के तहत चल रहे विकास कार्यों में रोजगार करने को तैयार नहीं हैं। जिले के कई ग्राम पंचायतों में मनरेगा के ज्यादातर काम ठप पड़े हैं। श्रमिक रोजगार की तलाश में पलायन कर रहे हैं। श्रमिक कर्ज लेकर पाल रहे परिवार रू मजदूरी का भुगतान न होने से ज्यादातर मनरेगा मजदूर रसूखदारों के चंगुल में हैं। मजदूरी का भुगतान रुका तो मजदूरों को परिवार पालना मुश्किल हो गया। मजदूरों के सामने दूसरे लोगों से कर्ज लेने के लिए दूसरा विकल्प नहीं बचा। कुछ श्रमिकों ने तो हारी–बीमारी के चलते ऊंचे ब्याज पर रकम ले रखी है। कर्ज लौटाने की चिंता मजदूरों को परेशान कर रही है। मजदूरों का कहना है कि सरकार मजदूरी पांच सौ रुपये करें और समय पर भुगतान करे। लेकिन सरकार सिर्फ झूठे दावे करती है। जिले के जनप्रतिनिधियों को भी इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है।

मनरेगा योजना आने के बाद जिले के मजदूरों का पलायन रुका था लेकिन अफसरों की लापरवाही और सरकार की अनदेखी ने मजदूरों की संजीवनी कही जानी वाली मनरेगा अब बेपटरी हो चुकी है।

नव प्रवेशी बच्चों को वितरित किया बैग व कॉपी

संवाददाता–श्रावस्ती। परिषदीय विद्यालय में शिक्षकों की नई पहल अभिभावकों में चर्चा का विषय बनी है। शिक्षकों की ओर से नव प्रवेशी बच्चों को स्कूल बैग, कांपी समेत अन्य शिक्षण सामग्री अपने खर्च से प्रदान किया। अभिभावकों ने शिक्षकों की इस पहल की सराहना की। विकास क्षेत्र इकौना के पीएम श्री उच्च प्राथमिक विद्यालय विशुनापुर में गुरुवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम प्रधान, एसएमसी अध्यक्ष, अभिभावक शामिल हुए। इस दौरान बच्चों की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। प्रधानाध्यापक भानु प्रकाश पाण्डेय की ओर से बच्चों को उनकी अगली कक्षा में जाने पर शुभकामनाएं दी गई। वहीं शिक्षक विवेक पटेल की ओर से अपने आर्थिक खर्चे पर नई पहल करते हुए सभी कक्षाओं के करीब 50 नव प्रवेशी बच्चों को बैग, कॉपी व ड्राइंग बॉक्स देकर उत्साहित किया गया। साथ ही इन बच्चों के पूरे वर्ष की शिक्षा की जिम्मेदारी ली गई। जिससे बच्चों की पढ़ाई में किसी भी प्रकार की समस्या न हो। इसी तरह शिक्षक जितेन्द्र रावत ने 25 बच्चों को खुद के पैसे से कॉपी, पेन और पेंसिल प्रदान किया गया। अभिभावक विश्राम ने कहा कि शिक्षक विवेक पटेल की ओर से की गई यह पहल सराहनीय है। बहुत से गरीब घरों के बच्चे शिक्षण सामग्री नहीं खरीद पाते। ऐसे में शिक्षक की ओर से उनकी मदद की जा रही है। इस मौके पर मोहम्मद हुसैन, शिक्षक धर्मेंद्र मिश्र, पंकज शुक्ल आदि मौजूद रहे।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर तालाब मे पलटा, युवक की मौत

संवाददाता–बहराइच। पयागपुर के पिपरा पदारथ गांव में बुधवार रात खेतों में मड़ाई करने ट्रैक्टर से जा रहे युवक की स्टेयरिंग फेल होने से अनियंत्रित हो गई। तालाब में ट्रैक्टर पलट गया। काफी देर तक तालाब के पानी कीचड़ में दबा रहा। इससे युवक की मौत हो गई। कड़ी मशक्कत उसे बाहर निकाला और अस्पताल लाए तब तक उसकी मौत हो गई। पुलिस ने गुरुवार को पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। पयागपुर थाने के पिपरा पदारथ गांव निवासी रमन तिवारी पुत्र घनश्याम तिवारी बुधवार रात ट्रैक्टर लेकर खेत जाने को निकला था। खेत के खलिहान में काटकर लगाई गई गेहूं की फसल की मड़ाई होनी थी। गांव के बाहर स्थित तालाब के पास अनियंत्रित ट्रैक्टर पलट कर पानी में डूब गया। उसके नीचे रमन दब गया। हादसा होते ही गांव के लोग दौड़े। एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज लाकर भर्ती कराया गया। इसी दौरान रमन की मौत हो गई।

कार्यालय ग्राम पंचायत-पकरी नासिर वि0ख0 साऊंघाट जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025–26 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 18–04 2025 से 23–04–2025 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 10.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा प्राप्त कर जमा कर सकते है। दिनांक 24–04–2025 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 11.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढ़ा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खंड़जा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2. 24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(भानमती) ग्राम प्रधान (रीता चौधरी) ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /17.04.2025 वित्तीय वर्ष 2025–26

सरकारी अस्पतालों को प्राइवेट से अच्छा बनाएं, डॉक्टर निजी प्रैक्टिस करते मिले तो होगी एफआईआर –डिप्टी सीएम

संवाददाता–गोरखपुर। डिप्टी सीएम को बताया गया कि सीएचसी 11 बजे खुलती है और 2 बजे ओपीडी के बाद बंद हो जाती है,जिस पर उन्होंने सीएमओ को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि अस्पतालों में डॉक्टरों को पूरे समय उपलब्ध रहने की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं साथ ही सीएचसी के औचक निरीक्षण की चेतावनी देते हुए कहा कि हम बिना बताए फिर आएंगे।

खजनी क्षेत्र के गाजर वंशमन गांव में बृहस्पतिवार को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक एक मांगलिक आयोजन में सम्मिलित होने पहुंचे। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक सुबह 11 बजे गांव में बने हेलीपैड पर राजकीय हेलीकॉप्टर से उतरे। हेलीपैड के पास मौजूद दर्जनों भाजपा नेताओं और पदाधिकारियों ने बुके भेंट देकर उनका स्वागत किया।

इसके बाद वह निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दयाशंकर राम त्रिपाठी के आवास पर पहुंचे, जहां लगभग आधे घंटे तक रूकने के बाद पास के ही सीएचसी हरनहीं पहुंचे। सीएचसी में उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ विभागीय बैठक की। जिले में संचालित सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा भी की। अधिकारियों से डिप्टी सीएम कभी नर्म तो कभी गर्म अंदाज में जानकारी लेते नजर आए।

बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने सरकारी अस्पतालों को प्राइवेट अस्पतालों से बेहतर बनाने का निर्देश देते हुए कहा कि जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध इलाज की सुविधाओं की समीक्षा की गई है। अस्पतालों में संसाधन उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी स्थानीय जनप्रतिनिधियों व ग्रामप्रधानों से संपर्क करें और हर 15 दिनों बैठक करें। ग्रामप्रधानों के घर जाएं उन्हें जनता को ज्यादा से ज्यादा सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए भेजने के लिए प्रेरित करें। प्रसव सेवा और टीकाकरण सिर्फ सरकारी अस्पतालों में कराने की व्यवस्था करें। चिकित्सा अधीक्षक और सीएमओ डॉ.राकेश कुमार झा से कहा कि यदि कोई सरकारी डॉक्टर प्राइवेट प्रैक्टिस करते मिलें तो उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएं।

एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने अधिकांश बंद चल रहे उसवां बाबू गांव की सरकारी सीएचसी को चालू कराने और इमरजेंसी सेवाओं को शुरू कराने का निर्देश दिया। कहा कि सभी सीएचसी में 24 घंटे इमरजेंसी सेवाएं उपलब्ध कराएं। हरनहीं सीएचसी में कर्मचारियों के आवास निर्माण के लिए प्रस्ताव बनाकर भेजने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि गर्मी का मौसम आ गया है। सभी अस्पतालों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाए तथा इलाज के लिए आने वाले मरीजों और तीमारदारों से नर्मी से पेश आएं। उनके बैठने और संबंधित डॉक्टर के पास पहुंचाने के लिए कर्मचारियों को जिम्मेदारी दें।

सीएचसी में पहुंचते ही उन्होंने सभी ओपीडी कक्ष में पहुंचकर वहां मौजूद डॉक्टर से मरीजों और उनके इलाज के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान मौजूद मरीजों से उनके इलाज तथा अस्पताल में दवाएं मिलती हैं या नहीं तथा उपलब्ध सेवाओं की जानकारी ली।

डिप्टी सीएम को बताया गया कि सीएचसी 11 बजे खुलती है और 2 बजे ओपीडी के बाद बंद हो जाती है,जिस पर उन्होंने सीएमओ को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि अस्पतालों में डॉक्टरों को पूरे समय उपलब्ध रहने की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं साथ ही सीएचसी के औचक निरीक्षण की चेतावनी देते हुए कहा कि हम बिना बताए फिर आएंगे।

इस दौरान स्थानीय विधायक श्रीराम चौहान, पूर्व विधायक संत प्रसाद बेलदार, ब्लॉक प्रमुख अंशु सिंह, पूजा सिंह, कृपाशंकर उर्फ जुगनू दुबे, विकास सिंह, विनोद पांडेय, धरणीधर राम त्रिपाठी,अतुल, छोटेलाल,राजाराम कन्नौजिया, बाबूलाल पांडेय, बीडीओ रमेश शुक्ला,एडीओ पंचायत राजीव दूबे, सहित दर्जनों की संख्या में ब्लॉक के कर्मचारी और स्थानीय गणमान्य लोग मौजूद रहे।

वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम में महिलाओं को किया जागरूक

संवाददाता–गोरखपुर। माइक्रो फाइनेंस इंडस्ट्री नेटवर्क की ओर से अड़िलापार गांव में वित्तीय जागरूकता को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि बचत और निवेश, बचत योजनाओं और निवेश विकल्पों के बारे में जानकारी जरूरी है।

नाबार्ड की जिला विकास अधिकारी दीप्ति पंत ने और माइक्रो फाइनेंस के अधिकारी विजय वाधवा ने कहा कि ग्राहक शिकायत निवारण पर शिकायत दर्ज हो सकती है। इस दौरान अजय तिवारी, शैलेश तिवारी के साथ बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

डीएम ने दिया 48 घंटे के अंदर रामलीला मैदान की जमीन से कब्जा हटाने का निर्देश

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बांसी कस्बे में स्थित रामलीला मैदान जदीद बाजार का डीएम डा. राजा गणपति आर, एसपी डा. अभिषेक महाजन,अपर जिलाधिकारी गौरव श्रीवास्तव ने मौका मुआयना कर अवैध कब्जे वाली भूमि को 48 घंटे के अंदर खाली करने का निर्देश दिया। कब्जाधारकों ने शनिवार से कब्जा हटाने का आश्वासन दिया है।

रामलीला जदीद बाजार नगर पालिका परिषद बांसी की सार्वजनिक प्रयोजन की सुरक्षित भूमि है । इस मामले में अधिकारियों ने तहसील कार्यालय में नगर पालिका अध्यक्ष चमनआरा के साथ आई नोटिस प्राप्त परिवार की महिलाओं ने निवेदन किया कि उनका परिवार चार पीढ़ी से निवास कर रहा है। कुछ ने कहा कि उनका काफी पुराना बैनामा है। महिलाओं ने कहा कि वह बेघर हो जाएंगी, उनके बाहर का हिस्सा ले लिया जाए घर के अंदर का हिस्सा छोड़ दिया जाए। डीएम ने सभी दलीलों को अनसुना कर दिया। उन्होंने कहा कि किसी के पास कोई वैध पेपर हो तो दीजिए अन्यथा कब्जे वाली भूमि को खाली कर दीजिए। इसके बाद अधिकारियों की पूरी टीम रामलीला मैदान जदीद बाजार पर पहुंची और मौका मुआयना करके कब्जे को हटाने को कहा है।

डीएम ने सैनिक बंधु बैठक में सुनी सैनिकों की समस्याएं

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय की ओर से आयोजित इस ष्सैनिक बंधुष बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी डॉक्टर राजा गणपति आर ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य सेवारत सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों की विभिन्न समस्याओं का समाधान करना था। इनमें भूमि विवाद, पुलिस सहायता, बैंक ऋण, पेंशन संबंधी मामले, चिकित्सा और आर्थिक सहायता से जुड़ी समस्याएं शामिल थीं। बैठक में कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इनमें वरिष्ठ कोषाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक सदर, जिला सेवायोजन अधिकारी, नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी और उपायुक्त उद्योग अधिकारी शामिल थे। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कैप्टन (आई.एन.) नरेश शर्मा भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान कुल पांच मामले सामने आए। इनमें चार भूमि विवाद और एक पेंशन से संबंधित मामला था। जिलाधिकारी ने सभी मामलों को गंभीरता से लेते हुए उचित कार्यवाही कर समाधान निकालने का आश्वासन दिया।

लेखपाल पर रिश्वत मांगने का आरोप

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज क्षेत्र में किसान ने एक लेखपाल पर रिश्वत लेकर काम न करने का आरोप लगाया है। मन्नीजोत गांव के राजाराम ने लेखपाल की डीएम से शिकायत की है। राजाराम ने बताया कि उन्होंने चार महीने पहले धारा 24 के तहत आवेदन किया था। हल्का लेखपाल ने रिपोर्ट लगाने के लिए 5 हजार रुपए सुविधा शुल्क की मांग की। राजाराम ने 4 हजार रुपए लेखपाल को दिए। एक हजार रुपए कानूनगो को दिलवाए।

एम्स में बना है 44 करोड़ से 500 की क्षमता का रैन बसेरा, सीएम योगी करेंगें उद्घाटन

संवाददाता–गोरखपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) गोरखपुर में बनने जा रहे पूर्वी उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े रैन बसेरे का शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। यहां पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के सौजन्य से 44 करोड़ रुपये की लागत से3 500 लोगों की क्षमता का रैन बसेरा बनेगा। 18 अप्रैल को भूमि पूजन कर सीएम योगी इसके निर्माण का शुभारंभ करेंगे। गोरखपुर शहर पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिलों और सीमावर्ती बिहार तथा पड़ोसी मित्र राष्ट्र नेपाल के लोगों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और कारोबार के लिए महत्वपूर्ण केंद्र हैं। प्रतिदिन यहां बड़ी तादाद में ऐसे लोग आते हैं जिन्हें किन्हीं जरूरी कारणों से रात्रि प्रवास करना पड़ता है। रात्रि प्रवास करने वालों में सबसे अधिक संख्या इलाज के लिए आने वालों की होती है। ऐसे लोगों में आर्थिक रूप से कमजोर लोग रैन बसेरों में शरण लेते हैं। मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही योगी आदित्यनाथ का जोर रैन बसेरों की संख्याध्क्षमता बढ़ाने और वहां जरूरी सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर रहा है। इसके लिए समय–समय पर वह खुद कई रैन बसेरों का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा भी लेते हैं।

वर्तमान समय में नगरीय क्षेत्र में 14 रैन बसेरे संचालित हैं जिनकी कुल क्षमता 667 लोगों की है। इनमें से 13 का संचालन नगर निगम और एक का संचालन एयरपोर्ट अथॉरिटी द्वारा किया जा रहा। अब एम्स गोरखपुर में पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के सहयोग की सीएसआर निधि से 500 लोगों की क्षमता का रैन बसेरा बनने जा रहा है। यह न केवल गोरखपुर का बल्कि पूर्वी उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा रैन बसेरा होगा। इसके निर्माण पर 44 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इसका शिलान्यास 18 अप्रैल को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों प्रस्तावित है। एम्स गोरखपुर की गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन देश दीपक वर्मा के मुताबिक एम्स में आने वाले मरीजों और तीमारदारों की सहूलियत के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ही पूर्व में रैन बसेरे की व्यवस्था करने के निर्देश दिए थे।

गोर्रा नदी में उतराता मिला युवक का शव

संवाददाता–गोरखपुर। झंगहा थानाक्षेत्र के जंगल गौरी नंबर एक अहिरवाती टोला के बगल में बह रही गोर्रा नदी में गुरुवार की सुबह करीब 30 वर्षीय अज्ञात युवक का शव उतराता हुआ दिखाई दिया। युवक के नाक से खून निकल रहा था और चेहरा सूजा हुआ था। ऐसे में आशंका है कि युवक की हत्या कर उसे नदी में फेंक गया है। ग्रामीणों ने डायल 112 पर सूचना दी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी मस्तराम पुत्र बलिकरन ग्राम– जगरनाथपुर पोस्ट व थाना– लालगंज जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। त्रुटिबश आधारकार्ड में मेरा नाम विजय कुमार पुत्र बलिकरन हो गया है जो गलत है। उसे मस्तराम पुत्र बलिकरन कराया जाय।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान मोटर दुर्घटनादावा अधिकरण महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रतिकर वाद सं0–81/2022
गणेश
बनाम
मोहित आदि

1. मोहित पुत्र संतोष गुप्ता निवासी पचमोहनी पोस्ट कछिया जनपद बस्ती पिनकोड नम्बर–272163 (वाहन स्वामी मोटर साईकिल नम्बर यू0पी051/बी0ए0–2421)
2. मनीष कुमार गुप्ता पुत्र संतोष गुप्ता निवासी पचमोहनी पोस्ट कछिया जनपद बस्ती पिनकोड नम्बर–272163 (वाहन चालक मोटर साईकिल नम्बर यू0पी051/बी0ए0–2421)
3. टाटा ए0आई0जी0जं0इं0कं0लि0, रतन स्कवायर 20 ए. विधानसभा भवन लखनऊ पिनकोड नं0–226001 (उ0प्र0) वर्तमान पता यूनिट नम्बर 309 तृतीय तल सिरिलर हाईटस विभूति खण्ड गोमती नगर लखनऊ पिनकोड नं0–226010 (उ0प्र0)

तारीख पेशी 23–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 23 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
वाद सं0–C201817000000182
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त प्रशासन बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती
रामदास
बनाम
रामदरस आदि

2/1 रामगोपाल 2/2 तुलसीराम पुत्रगण राममिलन 2/3 श्रीमती रामरती पत्नी स्व0 राममिलन 3. रामसरन पुत्र सुन्दर साकिनान मौजा चन्दवा तप्पा खजनी परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला सिद्धार्थनगर उत्तरवादी द्वितीय वर्ग 4. ग्राम पंचायत चन्दवा जरिये प्रधान चन्दवा तप्पा खजनी परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला सिद्धार्थनगर उत्तरवादी तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 02–05–2025

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 02 महीना 05 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान अपर उप जिलाधिकारी (न्यायिक) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–
रामसंवारे
बनाम
जय प्रकाश आदि

1. जय प्रकाश पुत्र रामलौट 2. रामलौट पुत्र छत्तर 3. जोखू पुत्र रूपई निवासीगण ग्राम खम्हरिया गंगाराम तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला–बस्ती 4. ग्राम पंचायत मझौवा बाबू द्वारा प्रधान ग्राम खम्हरिया गंगाराम तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला–बस्ती 5. सरकार उ0प्र0 जरिये जिलाधिकारी महोदय बस्ती

तारीख पेशी 02–05–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 02 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया। –द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान मोटर दुर्घटनादावा अधिकरण महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रतिकर वाद सं0–66/2022
हनुमान
बनाम
दिलीप

1. दिलीप पुत्र लल्लू निवासी ग्राम गोभिया पो0–भदावल जिला–बस्ती पिनकोड नं0–272155 (वाहन स्वामी ट्रैक्टर नम्बर यू0पी0–51 ए0एम0 4899) 2. अर्जुन कुमार सिंह पुत्र रसिंग निवासी ग्राम गोभिया पो0–भदावल जिला–बस्ती पिनकोड नं0–272155 (वाहन चालक ट्रैक्टर नम्बर यू0पी0–51 ए0एम0 4899)

तारीख पेशी 19–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 19 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान मोटर दुर्घटनादावा अधिकरण महोदय बस्ती जिला–बस्ती
M.A.C.P.N0–325/2022
तीजू
बनाम
रामदेव आदि

1. रामदेव पुत्र रामपलट ग्राम गोसइसीपुर पोस्ट डेल्हवा थाना कलवारी जिला–बस्ती (वाहन चालक वाहन ट्रक पंजीयन सं0–UP42 BT- 4300) 2. शेष प्रताप सिंह पुत्र सतीभान सिंह निवासी 356 सिविल लाइन्स फैजाबाद जनपद–अयोध्या निवासी कनकपुर पूरे शिवदयालगंज 2713174 गोण्डा स्थाई पता–356 सिविल लाइन्स फैजाबाद अयोध्या (वाहन स्वामी वाहन ट्रक पंजीयन सं0–UP42 BT- 4300) 3. यूनाइटेड इण्डिया इन्श्योरेन्स लि0 ब्रांच आर0टी0ओ0 आफिस रोड उसरू फैजाबाद, अयोध्या जरिए शाखा प्रबन्धक उसरू फैजाबाद अयोध्या (बीमाकर्ता वाहन ट्रक पंजीयन सं0–UP42 BT- 4300)

तारीख पेशी 25–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 25 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान मोटर दुर्घटनादावा अधिकरण महोदय बस्ती जिला–बस्ती
M.A.C.P.N0–121/2024
चंचल
बनाम
उमाजीत आदि

1. उमाजीत पुत्र पतिराम ग्राम बछईपुर पोस्ट बेलवा थाना छावनी तहसील हरैया जिला–बस्ती (चालक मोटर साइकिल वाहन सं0–UP51 AA 9048) 2. पतिराम पुत्र चैतू ग्राम बछईपुर पोस्ट बेलवा थाना छावनी तहसील हरैया जिला–बस्ती (वाहन स्वामी मोटर साइकिल वाहन सं0–UP51 AA 9048)

तारीख पेशी 31–05–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 31 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान मोटर दुर्घटनादावा अधिकरण महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रतिकर वाद सं0–229/2022
कु0 अंशु मिश्रा
बनाम
अनुरूद्ध प्रसाद सरोज

1. अनुरूद्ध प्रसाद सरोज पुत्र स्व0 शम्भू प्रसाद सरोज निवासी ग्राम भगवानपुर थाना चौरीचौरा जिला–गोरखपुर हाल मुकाम थाना परसरामपुर पोस्ट परसरामपुर जिला–बस्ती उ0प्र0 (पंजीकृत वाहन स्वामी व चालक दुर्घटनाग्रस्त मोटर साइकिल संख्या UP53 BZ 9985)

तारीख पेशी 25–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 25 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–450/2016
रामचन्दर (मृतक) आदि
बनाम
शिव कुमार आदि

1. शिव कुमार 2. राज कुमार 3. प्रेम कुमार पुत्रगण मोहनलाल साकिनान मौजा रानीपुर बेरता तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 20–05–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 20 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान एकादश अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–40/2002
मेहरूनिशा
बनाम
रूप नरायन

1/1 चन्द्रिका प्रसाद 1/2 अम्बिका प्रसाद 1/3 अमित प्रसाद पुत्रगण स्व0 रूप नरायन 1/4 कुमारी देवी पत्नी स्व0 रूप नरायन निवासीगण ग्राम असनहरा तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 23–04–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 23 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–308/2012
आसमोहम्मद आदि
बनाम
हरीलाल आदि

1/1 राम उजागिर 1/2 रामशब्द 1/3 रामदुलारे 1/4 कन्हैया लाल 1/5 रामजीत पुत्रगण हरीलाल साकिनान मौजा अजगैवाजंगल पुरवा पंड़ितपुर तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती
2/1 रामबचन 2/2 आज्ञाराम पुत्रगण रामनरेश 2/3 श्रीमती रामदुलारी पत्नी रामनरेश निवासीगण ग्राम अमरौली शुमाली टोला कुशहवा तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती
3/1 राम बुझारत 3/2 रामजेठू 3/3 आशाराम 3/4 दीपक पुत्रगण रामगनेश 3/5 विमला पत्नी रामगनेश निवासीगण ग्राम अमरौली शुमाली टोला कुशहवा तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 23–05–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 23 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com